महावीरा कृषि समाचार

YEAR 3 | EDITION 3 जुलाई, 2025 www.rmphosphates.com

एग्रीकल्चर News:

अरहर की नई किस्म 125 दिनों में फसल तैयार, गर्मी को भी झेल सकती है!

क्या अरहर की कोई किस्म भीषण गर्मी को झेल सकती है...इसका उत्तर संभवतः नहीं में ही होगा लेकिन जिस नई किस्म की अरहर की बात यहां हो रही है वह न केवल भीषण गर्मी को झेल सकती है वहीं इसकी फसल भी महज 125 दिनों में तैयार हो जाती है।

दरअसल इंटरनेशनल क्रॉप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर द सेमी-एरिड ट्रॉपिक्स ने अरहर की एक नई किस्म 'आईसीपीवी 25444' विकसित की है। अरहर की यह किस्म भीषण गर्मी को झेल सकती है। इतना ही नहीं यह फसल मात्र 125 दिनों में तैयार हो जाती है, जो भारत को दलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता लाने में कारगर साबित होगी। स्पीड ब्रीडिंग तकनीक से विकसित अरहर की यह नई किस्म दुनिया की पहली गर्मी-रोधी अरहर है, जो किसानों को जलवायु संकट से लड़ने में मदद करेगी।

बता दें कि 'आईसीपीवी 25444', भारत की पहली गर्मी-रोधी अरहर की किस्म है। अरहर की यह नई किस्म भीषण गर्मी यानी 45 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान को झेल सकती है। ICRISAT के मुताबिक यह किस्म अब तक कर्नाटक, ओडिशा और तेलंगाना में सफलतापूर्वक किए गए परीक्षण में दो टन प्रति हेक्टेयर तक

RMPCL

तुरंत एक्सपर्ट कृषि सलाह व समाधान पाये, आज ही हमसे कॉल द्वारा जुड़े : 8956926412

MAHAVEERA ZIRON

उत्पादन दे चुकी है अब तक अरहर की खेती केवल खरीफ के मौसम तक ही सीमित थी, क्योंकि यह तापमान और दिन की लंबाई (फोटोपीरियड) के प्रति संवेदनशील होती है। लेकिन अरहर की इस नई किस्म ने इस सीमा को तोड़ दिया है। यह फसल गर्मी में भी अच्छी उपज दे सकती है। ऐसे में अरहर को साल भर बोया जा सकेगा।

मक्का की उन्नत खेती!

मक्का एक महत्वपूर्ण अनाज है जिसे खाद्यान्न, चारे और औद्योगिक उपयोगों के लिए उगाया जाता है। भारत में यह खरीफ के मौसम में मुख्य रूप से बोया जाता है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में रबी और ज़ायद मौसम में भी इसकी खेती होती है।

जलवायु और मिट्टी:

- **जलवायु:** मक्का गर्म और आर्द्र जलवायु में अच्छी होती है। 21°C से 30°C तापमान उपयुक्त है।
- **मिट्टी:** अच्छी जल निकासी वाली दोमट मिट्टी सबसे अच्छी होती है। pH मान 5.5 से 7.5 उपयुक्त होता है।

बुवाई का समय और विधि:

- **खरीफ:** जून से जुलाई
- **रबी:** अक्टूबर से नवंबर (जहाँ सिंचाई की सुविधा हो)
- **बुवाई विधि:** कतारों में 60 सेमी की दूरी पर और पौधे से पौधे की दूरी 20 सेमी रखें।
- **बीज दर:** 18–20 किग्रा प्रति हेक्टेयर

RMPCL
आ गया है एकसाथ 5 पोषक तत्वों वाला
5 का दम
महावीरा ज़िरोंन सभी फसलों के लिए मान्य
MAHAVEERA ZIRON

खाद और उर्वरक:

- **जैविक खाद:** गोबर की खाद – 04–05 टन/ एकर

मक्का की फसल में पोषक तत्वों का प्रबंधन (अनुशंसित उर्वरक की मात्रा - KG 72:36:16) प्रति एकड़							
अवधि	Mahaveera Ziron Power Plus	MOP	Urea	Symtron	Amitron-Z	Boron 20%	Zintawik
	KG	KG	KG	KG	ML	GM	KG
बुवाई के समय	200	27	40	4	0	0	0
25-30 दिन बाद में	0	0	70	0	0	0	250
45-50 दिन बाद में	0	0	50	0	500	250	0
75-80 दिन बाद में	0	0	0	0	0	0	0
कुल मात्रा	200	27	160	4	500	250	250
जल घुलनशील उर्वरक 4-5 ग्राम/ लीटर पानी में	25-30 दिन की अवधि में 19:19:19 या बलेको (200 मिली/एकड़) तथा 45-50 दिन की अवधि में 12:61:00 का एक बार छिड़काव अवश्य करें।						

सिंचाई:

- पहली सिंचाई बुवाई के तुरंत बाद।
- उसके बाद 10–15 दिन के अंतर पर सिंचाई।
- फूल और दाना बनने के समय सिंचाई अवश्य करें।

निराई-गुड़ाई और खरपतवार नियंत्रण:

- पहली निराई 20 दिन बाद और दूसरी 40 दिन बाद करें।
- एट्राजीन 1.5 किग्रा/हेक्टेयर बुवाई के तुरंत बाद छिड़काव करने से खरपतवार नियंत्रित होते हैं।

कटाई और उपज:

- जब भुट्टे के छिलके सूखने लगें और दाने कठोर हो जाएँ तब फसल काटें।
- **उपज:**
  - उन्नत खेती में: 40–60 क्विंटल/हेक्टेयर
  - साधारण खेती में: 20–30 क्विंटल/हेक्टेयर

भंडारण:

- दानों को अच्छी तरह सुखाकर नमी 12% से कम रखें।
- साफ और सूखे स्थान पर भंडारित करें।

RMPCL
किसान भाइयों की हर परेशानी का सिर्फ एक ही इलाज
महावीरा ज़िरोंन, वॉटर सॉलयुबल खाद और सूक्ष्मतत्वों का साथ
ZIRON

जिंक और बोरॉन दोनों सूक्ष्म पोषक तत्वों के मुख्य कार्य बताइए ?

जिंक और बोरोन दोनों सूक्ष्म पोषक तत्व हैं जो पौधों के विकास के लिए आवश्यक होते हैं। जिंक पौधों को स्वस्थ और मजबूत बनाने में मदद करता है, जबकि बोरोन फलों और बीजों के विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

जिंक:

- जिंक पौधों के प्रोटीन के संश्लेषण में सहायक होता है।
- यह पौधों को कीटों और रोगों से बचाने में मदद करता है।
- यह पौधों की वृद्धि और विकास को बढ़ावा देता है।
- जिंक की कमी से पौधे कमजोर हो जाते हैं और उनकी उपज कम हो जाती है।

बोरॉन:

- बोरॉन पौधों में फूलों के विकास और प्रजनन में सहायक होता है।
- यह फलों के आकार और गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद करता है।
- बोरॉन की कमी से पौधे कमजोर हो जाते हैं, फलों का आकार छोटा हो जाता है और उनकी गुणवत्ता कम हो जाती है।
- बोरॉन की कमी से फल भी फटने लगते हैं।

मक्के में जिंक की कमी के कौन -कौन से कारण हो सकते हैं बताइए ?

मक्के में जिंक की कमी के कई कारण हो सकते हैं। सबसे आम कारण है, क्षारीय मिट्टी, जिसमें उच्च पीएच होता है और जैविक पदार्थों की मात्रा कम होती है।

इसके अतिरिक्त, मक्के की फसल की कुछ किस्में जिंक की कमी के लिए अधिक संवेदनशील होती हैं, और ठंडी और गीली मौसम की स्थिति में जिंक की उपलब्धता कम हो जाती है।

RMPCL
महावीरा ले कर आया है अपने किसान भाइयों के लिए
उत्तम जल घुलनशील उर्वरक उम्दा क्वालिटी के साथ
ZIRON

महावीरा एग्री एड्वाइज़री

मक्के की फसल मे पत्ती झुलसा रोग के बारे मे जानकारी दे ??

इस रोग में पत्तियों पर बड़े लम्बे अथवा कुछ अण्डाकार भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। इस रोग के प्रभाव से पौधे के नीचे की पत्तियां पहले सुखने लगती हैं, जब यह रोग बढ़ता है, तो पौधे की ऊपर की पत्तियां भी धीरे-धीरे सूखने लगती हैं, जिससे पौधे का संपूर्ण विकास रुक जाता है।

रोकथाम के उपाय:

- यदि आपके क्षेत्र में प्रतिरोधी किस्में उपलब्ध हों तो पौधे लगाएं।
- मोनोकल्चर से बचने के लिए मक्के की विभिन्न किस्में लगाएं।
- खेत को साफ-सुथरा रखना सुनिश्चित करें।
- गैर-मेज़बान फसलों के साथ चक्रीकरण करें।
- फसल अवशेषों को मिट्टी में दबाने के लिए गहरी जुताई करें।

तुरंत एक्सपर्ट कृषि सलाह व समाधान पाये, आज ही हमसे कॉल द्वारा जुड़े: 8956926412

चमत्कारी हैं ये सातों, शक्ति से भरपूर,
फसल चाहे हो भी हो उत्पादन बढ़ेगा जरूर।

पानी में घुलनशील उर्वरक

सभी फसलों के लिए उपयुक्त

कृषि संपन्नता को करें साकार,
आज, कल और हमेशा

RMPCL
आ गया है एकसाथ 5 पोषक तत्वों वाला
5 का दम
महावीरा ज़िरोंन सभी फसलों के लिए मान्य
MAHAVEERA ZIRON

महावीरा यशोगाथा

सुशांत कदम
पुणे, महाराष्ट्र
फसल- मक्का
प्रोडक्ट- महावीरा ज़िरोंन

मैंने पिछेल बर्ष से ही महावीरा ज़िरोंन का अपनी मक्का की फसल में उपयोग कर रहा हूँ और बहुत अच्छा उत्पादन प्राप्त कर रहा हूँ। मक्का के पौधों की उचाई भी बहुत अच्छी निकली और हर पौधे में अभी कम से कम 10-12 मक्के लगे हुये है और किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ है। मक्का की फसल का अच्छा रेट भी मार्केट में मिल रहा है। महावीरा ज़िरोंन के परिणाम से बहुत खुश हूँ और सभी किसानों भाइयों को मैं सुशांत कदम महावीरा ज़िरोंन का कम से कम एक बार इस्तेमाल करने की सलाह दूंगा।

विनोद कुमार गौर
हरदा, मध्य प्रदेश
फसल- मक्का
प्रोडक्ट- महावीरा ज़िरोंन

मैंने महावीरा ज़िरोंन का उपयोग अपनी सभी फसलों में करता आया हूँ और बहुत अच्छा परिणाम प्राप्त किया है। इस बार मैंने मक्का की फसल में महावीरा ज़िरोंन को 2 बोरी प्रति एकड़ में उपयोग किया और इसके अलावा कोई उत्पाद या खाद या पोषक तत्वों का उपयोग नहीं किया। इस बार मक्का के खेत में हरापन बना हुआ है और पौधे भी बहुत अच्छे बने हुए है। मैं सभी किसानों भाइयों को महावीरा ज़िरोंन का इस्तेमाल करने की सलाह दूंगा ताकि आप भी मेरे तरह मक्के की फसल में क्वालिटी उत्पादन प्राप्त कर सकें।